भारत सरकार

नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय

राज्य सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 2691

मंगलवार, दिनांक 11 अगस्त, 2026 को उत्तर दिए जाने हेतु

छत्तीसगढ़ में पीएम कुसुम योजना

2691 श्री देवेन्द्र प्रताप सिंह:

क्या नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या पीएम कुसुम योजना के अंतर्गत छत्तीसगढ़ में कृषि पंपों के बड़े पैमाने पर सौरकरण में सफलता प्राप्त हुई है;

(ख) वित्त वर्ष 2025-26 में जनजातीय किसानों के लिए संस्थापित ऑफ-ग्रिड सौर पंपों का ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या इस ऐतिहासिक हरित पहल ने डीज़ल पर निर्भरता समाप्त की है और दिन के समय सिंचाई की भरोसेमंद सुविधा प्रदान की है; और

(घ) इसके परिणामस्वरूप फसल की पैदावार, किसानों की आय बढ़ाने और राज्य के कार्बन फुटप्रिंट में कमी लाने में क्या सफलता प्राप्त हुई है?

उत्तर

नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा एवं विद्युत राज्य मंत्री

(श्री श्रीपाद येसो नाईक)

(क) पीएम कुसुम एक मांग संचालित योजना है, तथा राज्य द्वारा की गई मांगों और प्राप्त उपलब्धियों के आधार पर क्षमताओं का आवंटन किया जाता है। लाभार्थी का चयन और कार्यान्वयन करने की जिम्मेदारी राज्य कार्यान्वयन एजेंसियों की होती है।

राज्य द्वारा की गई मांगों के अनुसार, योजना के घटक-ग के अंतर्गत कृषि पंपों के सौरीकरण के लिए छत्तीसगढ़ राज्य को कुल 10,532 पंप आवंटित किए गए हैं। दिनांक 31.07.2026 की स्थिति के अनुसार, राज्य ने केवल 622 कृषि पंपों के सौरीकरण की सूचना दी है।

(ख) पीएम कुसुम के अंतर्गत, ऑफ ग्रिड सौर पंपों की स्थापना के लिए छत्तीसगढ़ राज्य के पास कोई आवंटन मौजूद नहीं है।

(ग) एवं (घ): छत्तीसगढ़ राज्य की कार्यान्वयन एजेंसी ने यह सूचित किया है कि, पीएम कुसुम योजना के घटक क तथा ग ने सिंचाई के लिए दिन में विद्युत की उपलब्धता, डिस्कॉमों को विद्युत की बिक्री द्वारा किसानों के लिए अतिरिक्त आय के अवसर आदि जैसे विभिन्न लाभ प्रदान किए हैं।

राज्य कार्यान्वयन एजेंसी (एसआईए) ने जून 2026 तक घटक-क के अंतर्गत बिजली की बिक्री के माध्यम से किसानों के खातों में 5.29 करोड़ रु. की पूंजी जमा होने की सूचना दी है। योजना के कार्यान्वित होने से लेकर जून 2026 तक राज्य ने 14,100 टन कार्बन फुटप्रिंट में कमी होने की सूचना दी है।

*****